प्रवेश पूर्व परामर्श के लिए उत्तरकाशी क्षेत्र का भ्रमण

दिनांकः 12 जुलाई 2011 से 21 जुलाई 2011 तक

दल के सदस्य – डॉ0 घनश्याम जोशी,डॉ0 सुभाष रमोला, द्विजेश उपाध्याय

विश्वविद्यालय द्वारा गठित तीन सदस्यों के एक दल ने उत्तरकाशी जिले के उत्तरकाशी शहर, भटवारी, डुण्डा, चिलियाणीसौंड़ व नौगांव ब्लाकों के विभिन्न राजकीय इंटर कालेजों, पॉलिटेक्निक कालेजों, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्रों, निजी शिक्षण संस्थानों, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्रों, एन0आई0एम0 उत्तरकाशी, आई0टी0बी0पी0 के अतिरिक्त स्वयं सेवी संस्थानों, गावों का भ्रमण किया।

इन संस्थानों के भ्रमण के दौरान दल ने संस्थानों के प्रमुखों से उत्तराखण्ड राज्य के सुदूर इलाकों में उच्च शिक्षा की स्थिति पर वार्ता की तथा उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के उद्देश्यों एवं भावी योजनाओं से अवगत कराया। दल के सदस्यों ने छात्र–छात्राओं को उच्च शिक्षा तथा व्यवसायिक शिक्षा के विषय में जानकारी दी और उनकी अनेक भ्रान्तियों, भविष्य सम्बन्धि समस्याओं का निराकरण भी किया। सभी स्थानों पर पैम्प्लेट, ब्रोशर भी वितरित किये गये।

दिनांक 13 जुलाई को दल चिलियाणीसौंड होते हुए उत्तरकाशी पहुंचा। दल द्वारा चिलियाणीसौंड में दिशा नामक एन0जीओ0 के प्रमुख से अध्ययन केन्द्र खोलने के विषय में चर्चा हुई। स्थानीय स्तर पर भी लोगों से विश्वविद्यालय के उद्देश्यों तथा विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे पाठ्यक्रमो पर चर्चा हुई।

14 जुलाई को दल ने भटवारी ब्लॉक के तीन राजकीय इंटर कॉलेजों का भ्रमण किया, जहॉ पर दल ने कॉलेज के प्रधानाचार्यों से उत्तराखण्ड राज्य के सुदूर इलाकों में उच्च शिक्षा की स्थिति पर वार्ता की तथा उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के उद्देश्यों एवं भावी योजनाओं से अवगत कराया। उसके उपरान्त दल ने 11 वीं व 12 वीं कक्षा के विद्यार्थियों के साथ उनकी कक्षाओं में जाकर उच्च शिक्षा तथा व्यवसायिक शिक्षा के विषय में जानकारी दी और उनकी अनेक भ्रान्तियों, भविष्य सम्बन्धि समस्याओं का निराकरण भी किया। इसके अतिरिक्त दल ने मनेरी इंटर कालेज में एस0एस0ए0 द्वारा चलाए जा रहे अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम में जा कर शिक्षकों को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के उद्देश्यों एवं भावी योजनाओं के विषय में बताते हुए उनसे आग्रह किया गया कि वो अपने कार्यक्षेत्रों में विद्यार्थियों व पढाई छोड़ चुके लोगों को उच्च शिक्षा के विषय में जागरुक करें। दल ने रैथल गॉव का भी दौरा किया तथा वहॉ के भूतपूर्व ब्लाक प्रमुख श्री चन्दन सिंह राणा एवं ग्राम प्रधान श्री मनोज राणा से वार्ता

की।रैथल में अधिकतर लोग उच्च शिक्षा से वंचित है। श्री चन्दन सिंह राणा ने अध्ययन केन्द्र खोलने के हर सम्भव मदद का आश्वासन दिया।

दिनांक 15 व 16 को दल ने उत्तरकाशी शहर के विभिन्न स्थानों का भ्रमण किया जिसमें विभिन्न राजकीय इंटर कॉलेजों, पॉलिटेक्निक कॉलेज, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, संस्कृत विश्वविद्यालय, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्रों, एन0आई0एम0 उत्तरकाशी, आई0टी0बी0पी0 शामिल हैं। सदस्यों ने उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के उद्देश्यों एवं भावी योजनाओं की जानकारी दी तथा यह भी बताया कि अलग–अलग क्षेत्रों के लोग विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों से किस तरह लाभान्वित हो सकते है। दल द्वारा हिमालयन वैद्यशाला, मातली का भी भ्रमण किया गया।वहॉ की संचालिका डॉ0 अर्चना चन्दोक से विस्तार से बातचीत हुई तथा उन्होने आयुर्वेद, योगा व प्राकृतिक चिकित्सा विषयों में अध्ययन केन्द्र खोलने की इच्छा जताई।

17 व 18 जुलाई को दल द्वारा डुण्डा व चिलियाणीसौंड ब्लाक के अर्न्तगत 5 राजकीय इंटर कॉलेजों, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन–केन्द्र बिरजा ग्रामीण जन विकास संस्थान, निजी बी0एड0 संस्थान मंजीरा देवी हिटाणुं धनारी का भ्रमण किया गया। जहां पर दल द्वारा संस्थान के प्रमुखों व विद्यार्थियों से वार्ता के दौरान विश्वविद्यालय के उद्देश्यों एवं भावी योजनाओं की जानकारी दी।

दिनांक 19 व 20 जुलाई को दल द्वारा नौगांव ब्लाक के अंतर्गत 7 राजकीय इंटर कॉलेजों, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बड़कोट तथा उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन–केन्द्र जी0आई0सी0 खरादी का भ्रमण किया गया। जहां पर दल द्वारा विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के विषय में बतलाया गया।

वार्ता के दौरान अनेक सुझाव व प्रस्ताव सामने आए जो उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के प्रगति पथ में सहायक होंगे।

विश्वविद्यालय को ड्राइंग विषय पर व उर्दू में पी0जी0 शुरु करना चाहिए।

दुर्गम व अतिदुर्गम स्थानों पर मौजुद अध्धयन–केन्द्रों पर विश्वविद्यालय द्वारा पाठ्यक्रमों के आवंटन पर बाध्यता ना हो। अर्थात् वहां पर अधिक से अधिक पाठ्यक्रम दिये जाने चाहिए, ताकि विद्यार्थी किसी पाठ्यक्रम से वंचित न रह जाए।